S-I/1/22SMIS1CCTC1/23

प्रथमसत्रार्द्धः

प्रथमपत्रम् (DSCC-1)

मीमांसा

समयः घण्टाद्वयम् **पूर्णाङ्काः 60**

खण्डः – क

केचन दश प्रश्ना एव समाधेयाः। **10 (प्रश्नः) × 02 (अङ्कः) = 20**

1. धर्मलक्षणं किम्?
2. भावना नाम का?
3. भावना कतिविधा?
4. विधिः अर्थवान् कथं भवति?
5. कः गुणविधिः?
6. विशिष्टविधेः उदाहरणं लिखत।
7. "सोमेन यजेत" इत्यत्र सामानाधिकरण्येनान्वये दोषमेकम् उदाहरत।
8. कः उत्पत्तिविधिः?
9. अङ्गत्वबोधकप्रमाणानि कति?
10. प्रकरणं नाम किम्?
11. क्रमबोधकप्रमाणानि कानि?
12. कः प्रयोगविधिः?
13. अधिकारिविशेषणानि कानि?

खण्डः – ख

केचन चत्वारः प्रश्ना एव समाधेयाः। **04 (प्रश्नः) × 05 (अङ्कः) = 20**

14. धर्मलक्षणं प्रतिपाद्य उदाहरणद्वये समन्वयं कुरुत।
15. लिङ्गादङ्गत्वं निरूपयत।

16. प्रयाजादीनां प्रकरणद्वारा दर्शपूर्णमासाङ्गत्वं निरूपयत।

17. पाठक्रमापेक्षया अर्थक्रमस्य प्राबल्यं निरूपयत।

18. सोदाहरणम् अधिकारविधिं निरूपयत।

19. अधिकारिविशेषणानि निरूपयत

खण्डः – ग

द्वौ प्रश्नौ एव समाधेयौ। **02 (प्रश्नः) × 10 (अङ्कः) = 20**

20. विनियोगविधिं प्रपञ्चयत।

21. अङ्गत्वबोधकप्रमाणानि विवृणुत।

22. भावनास्वरूपं सप्रकारं विचारयत।

S-I/2/22SMIS1CCTC2/23

प्रथमसत्रार्द्धः

द्वितीयपत्रम् (DSCC-2)

मीमांसा

समयः घण्टाद्वयम् **पूर्णाङ्काः 60**

खण्डः – क

केचन दश प्रश्ना एव समाधेयाः। **10 (प्रश्नः) × 02 (अङ्कः) = 20**

1. पूर्वमीमांसायां तृतीयाध्याये कः विषयः प्रतिपादितः?
2. पूर्वमीमांसाशास्त्रस्य पञ्चमाध्याये प्रतिपाद्यः विषयः कः?
3. कः अध्ययनविधिः?
4. पूर्वमीमांसाशास्त्रस्य प्रथमसूत्रं लिखत।
5. कः अध्यापनविधिः?
6. धर्मलक्षणं किम्?
7. शब्दः नित्यः उत अनित्यः?
8. धर्मे प्रत्यक्षादीनाम् अप्रमाण्यं कुतः?
9. धर्मे कति प्रमाणानि?
10. शब्दस्य अनित्यत्वं के कथयन्ति?
11. वेदस्य कारणसापेक्षत्वं कुतो नास्ति?
12. वेदः पौरुषेयः इति केषां मतम्?
13. वेदः अपौरुषेयः इति केषां सिद्धान्तः?

खण्डः – ख

केचन चत्वारः प्रश्ना एव समाधेयाः। **04 (प्रश्नः) × 05 (अङ्कः) = 20**

14. मीमांसाशास्त्रे द्वादशसु अध्यायेषु प्रतिपादितविषयाणां सङ्ग्रहं कुरुत।
15. विधिप्रयुक्तया शास्त्रारम्भं साधयत।

16. धर्मलक्षणाधिकरणं निरूपयत।
17. प्रत्यक्षादीनां धर्मे अप्रामाण्यं साधयत।
18. शब्दस्य नित्यत्वं साधयत?
19. वेदापौरुषेयत्वाधिकरणं वर्णयत।

खण्डः – ग

द्वौ प्रश्नौ एव समाधेयौ। **02 (प्रश्नः) × 10 (अङ्कः) = 20**

20. जिज्ञासाधिकरणम् उपस्थापयत।
21. धर्मप्रमाणानि प्रदर्शयत।
22. शब्दनित्यत्वं निरूपयत।

S-I/3/22SMIS1EDTC3L/23

प्रथमसत्रार्द्धः

तृतीयपत्रम् (DSE-1)

मीमांसा

समयः घण्टाद्वयम् **पूर्णाङ्काः 60**

खण्डः – क

केचन दश प्रश्ना एव समाधेयाः। **10 (प्रश्नः) × 02 (अङ्कः) = 20**

1. धर्मलक्षणं किम् ?
2. जैमिनीयन्यायमालायां कति अध्यायाः सन्ति ?
3. का नाम भावना ?
4. कः विधिः ?
5. उत्पत्तिविधेः उदाहरणं लिखत।
6. कः विनियोगविधिः ?
7. प्रयोगविधेः सहकारिभूतानि प्रमाणानि कति ?
8. कः अधिकारविधिः ?
9. मन्त्राणां प्रयोजनं किम् ?
10. नामधेयनिमित्तानि कानि ?
11. मत्वर्थलक्षणाभयात् नामधेयत्वं कुत्र स्वीक्रियते ?
12. कः अर्थवादः ?
13. अर्थवादस्य प्रामाण्यं कथम् ?

खण्डः – ख

केचन चत्वारः प्रश्ना एव समाधेयाः। **04 (प्रश्नः) × 05 (अङ्कः) = 20**

14. आर्थीभावनायाः अंशत्रयं निरूपयत।
15. वाक्यादङ्गत्वं निरूपयत।

16. प्रवृत्तिक्रमं प्रदर्शयत।

17. वाक्यभेदभयात् कर्मनामधेयत्वं साधयत।

18. अग्निहोत्रं जुहोति इत्यत्र अग्निहोत्रशब्दस्य कर्मनामधेयत्वं साधयत।

19. अर्थवादस्य भेदान् निरूपयत।

खण्डः – ग

द्वौ प्रश्नौ एव समाधेयौ। **02 (प्रश्नः) × 10 (अङ्कः) = 20**

20. भावना का? विवृणुत।

21. नामधेयनिमित्तानि विचारयत।

22. विनियोगविधिं सोदाहरणं प्रतिपादयत।

S-I/4/22SMIS1EGTC4L/23

प्रथमसत्रार्द्धः

चतुर्थपत्रम् (GE-1)

मीमांसा

समयः घण्टाद्वयम् **पूर्णाङ्काः 60**

खण्डः – क

केचन दश प्रश्ना एव समाधेयाः। **10 (प्रश्नः) × 02 (अङ्कः) = 20**

1. पूर्वमीमांसायां प्रतिपाद्यविषयः कः?
2. भावना कतिविधा?
3. विधेः प्रयोजनवत्त्वं कथम्?
4. विधिः कतिविधः?
5. उत्पत्तिविधिः कः?
6. विनियोगविधेः उदाहरणं लिखत।
7. क्रमबोधकानि प्रमाणानि कति?
8. अधिकारिविशेषणानि कति?
9. कः मन्त्रः?
10. वाक्यभेदभयात् कर्मनामधेयत्वं कुत्र निरूप्यते?
11. अर्थवादः कतिविधः?
12. नामधेयं धर्मप्रमाणान्तर्गतम् उत न?
13. अर्थवादवाक्यमेकं लिखत।

खण्डः – ख

केचन चत्वारः प्रश्ना एव समाधेयाः। **04 (प्रश्नः) × 05 (अङ्कः) = 20**

14. शाब्दीभावनायाः अंशत्रयं निरूपयत।
15. तत्प्रख्यशास्त्रात् कर्मनामधेयत्वं साधयत।

16. प्रकरणात् अङ्गत्वं निरूपयत।
17. मुख्यक्रमं प्रदर्शयत।
18. तद्व्यपदेशात् नामधेयत्वं निरूपयत।
19. अर्थवादस्य भेदान् निरूपयत।

खण्डः – ग

द्वौ प्रश्नौ एव समाधेयौ। **02 (प्रश्नः) × 10 (अङ्कः) = 20**

20. धर्मप्रमाणानि विचारयत।
21. नामधेयनिमित्तानि प्रतिपादयत।
22. क्रमबोधकप्रमाणानि विवृणुत।